वर्ष 3, अंक 2 : अप्रैल - जून 2017

एमसीयू समाचार

केवल आंतरिक प्रसार हेतु

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की त्रैमासिक गृहपत्रिका

www.mcu.ac.in

MCU NEWS

गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान समारोह में मिला पत्रकारों को सम्मान

सूचनाओं का डाकिया नहीं, पत्रकार बनें बौद्धिक योद्धा

"मैं अपने नाम के आगे विद्यार्थी इसलिए जोड़ता हूँ क्योंकि मेरा मानना है कि मनुष्य जिंदगी भर सीखता रहता है, हम विद्यार्थी बने रहते हैं।"

गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान

भारतीय भाषायी पत्रकारिता के माध्यम से मूल्यों की स्थापना और संवर्द्धन, सत्यान्वेषण, जनपक्षधरता, गहरे सामाजिक सरोकार और अप्रतिम सृजनात्मक योगदान के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रतिष्ठित गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किया गया है। सम्मान के अंतर्गत दो लाख रुपये नकद तथा प्रशस्ति–पट्टिका प्रदान की जाती है।

पत्रकारिता में महत्वपूर्ण योगदान के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान वरिष्ठ पत्रकार श्री उमेश उपाध्याय तथा विजय मनोहर तिवारी को दिया गया। पिछले तीन दशकों से मीडिया की हर विधा में अपनी छाप छोड़ने वाले प्रख्यात पत्रकार, एंकर, संचार विशेषज्ञ और शिक्षाविद् श्री उमेश उपाध्याय को सन 2014 के लिए सम्मानित किया गया है।

अलग–अलग विषयों की रिपोर्टिंग में अपनी सशक्त लेखनी का लोहा मनवाने वाले लोकप्रिय पत्रकार विजय मनोहर तिवारी एक मंझे हुए लेखक भी हैं। 'एक साध्वी की सत्ता कथा' सहित उनकी कई और पुस्तकें भी प्रकाशित हुई हैं। श्री तिवारी को सन 2015 के लिए प्रतिष्ठित् गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान से सम्मानित किया गया है।

गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान समारोह में विद्वानों के विचार...

पत्रकार राजा की तरह धन एकत्र नहीं करता, अपितु किसी ऋषि की तरह अपने ज्ञानरूपी धन को बाँटने का कार्य करता है। सूचनाओं का डाकिया न बनकर पत्रकारों को बौद्धिक योद्धा बनना चाहिए। वंचित समाज को शिक्षा से जोड़कर ही देश का विकास संभव होगा।

मीडिया में उपयोग हो रही भाषा पर वरिष्ठ साहित्यकार श्री कोहली ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जिस तरह से हमारे समाचार पत्र और चैनल्स अपनी भाषा को नष्ट कर रहे हैं, उससे हमारी संस्कृति को खतरा उत्पन्न हो गया है, क्योंकि, भाषा संस्कृति की वाहक है। प्रख्यात साहित्यकार नरेन्द्र कोहली गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान समारोह में बोल रहे थे।

समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा 14 अप्रैल को डॉ. अम्बेड़कर जयंती के अवसर पर भोपाल में किया गया। श्री कोहली ने कहा कि पत्रकारिता का लक्ष्य समाज में सकारात्मकता लाकर देश प्रेम के भाव को जगाना हैं। श्री कोहली ने जोर देते हुए कहा कि पत्रकारों का कर्त्तव्य देश सर्वप्रथम इस भाव को समाज में स्थापित करना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की संस्कृति और चिंतन में समरसता का ही संदेश है। दुनिया में भारत ने ही विश्व को परिवार मानने का चिंतन प्रस्तुत किया है। डॉ. बाबा साहब अम्बेड़कर जयंती प्रसंग पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि बाबा साहब शिक्षा पर बहुत जोर देते थे। इसलिए सुदूर क्षेत्रों में विद्यालय और महाविद्यालय प्रारंभ किए जाने चाहिए ताकि वंचित वर्ग इसका लाभ उठा सके।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारों को बौद्धिक योद्धा बनकर सावधानी पूर्वक समाज को जोड़ने का काम करना चाहिए। इस अवसर पर संस्कृत समाचार पत्रिका 'अतुल्य भारतम्' और 'मीडिया नवचिंतन' के भारत बोध पर केन्द्रित अंक का भी विमोचन किया गया।

inside
आपातकाल अभिव्यक्ति की . . .
'जनसंपर्क मंत्री की चिंता, हंगामा . . .
एक व्यक्ति नहीं संस्था थे दादा
डी.लिट की मानद उपाधि . . .

पुण्य स्मृति

दादा की विचारोत्तेजक लेखनी का परिणाम

वापस लेना पड़ा अंग्रेज सरकार को कसाईखाना खोलने का निर्णय

"वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने मीडिया की करनी और कथनी पर जताई चिंता, कहा दादा माखनलाल चतुर्वेदी के साथ एक भारतीय आत्मा का संबोधन जुड़ा है। लेकिन, जब हम आज के मीडिया को देखते हैं, तब प्रश्न उठता है कि उसमें कहीं भी भारतीय आत्मा मौजूद है क्या ? क्या आज की पत्रकारिता में भारत दिखाई देता है ? दरअसल, हमने अपनी बुनियाद की ओर देखना ही बंद कर दिया है। इसलिए आज के मीडिया में भारत कहीं लुप्त हो गया है।"

एमसीयू में पं. माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती के अवसर पर 4 अप्रैल को आयोजित विशेष व्याख्यान में यह विचार वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने व्यक्त किए। उन्होंने वर्तमान मीडिया की दशा और दिशा पर चिंता जताते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नायक और पत्रकार पं. माखनलाल चतुर्वेदी आज से लगभग सौ साल पहले संकल्प लेते हैं कि वे कसाईखाना खुलने नहीं देंगे और अपनी कलम की धार से अंग्रेज सरकार को झुका देते है। पहले भी कसाईखाना मुद्दा था और आज भी है लेकिन, आज अवैध बूचड़खानों पर बड़े–बड़े मीडिया संस्थानों का कवरेज किस प्रकार का है, यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

श्री उपाध्याय ने मीडिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दिनों देश के पाँच राज्यों में चुनाव सम्पन्न हुए। लेकिन, मीडिया कवरेज से ऐसा लगता है कि सिर्फ उत्तरप्रदेश में ही चुनाव हुए हैं। मीडिया में सभी राज्यों को उचित कवरेज क्यों नहीं दिया जा रहा ? क्या सिर्फ उत्तरप्रदेश भारत का हिस्सा है? अन्य राज्य भारत में नहीं है।

श्री उपाध्याय ने कहा कि मीडिया लोगों को जोडने की जगह एक–दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने का प्रयास करता हुआ दिखाई देता है, दादा के व्यक्तित्व के सभी आयामों पर शोधकार्य हुआ है, लेकिन पत्रकारीय पक्ष पर अभी और अधिक शोध की आवश्यकता है। इससे पूर्व कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने माखनलाल चतुर्वेदी की कविता की संगीतमय प्रस्तुति दी।

संविमर्श

सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच खड़ा है सोशल मीडिया

"एमसीयू में 'सोशल मीडिया : आज यथार्थ और भविष्य की आहटें विषय पर आयोजित संविमर्श में मीडिया विद्वानों ने कहा कि सोशल मीडिया में संवाद का स्वरूप वैसा ही है, जैसा हमारे आम जीवन और साहित्य में है। यह समाज को तय करना होगा कि वह सोशल मीडिया में किस प्रकार के संवाद को प्रोत्साहित करे।"

श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति, इंदौर और एमसीयू के संयुक्त तत्वावधान में 20 मई को 'सोशल मीडिया : आज यथार्थ और भविष्य की आहटें' विषय पर आयोजित संविमर्श में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पुरुषोत्तम दुबे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने विचारों और अपनी कलाओं को व्यक्त कर अपनी प्रतिभा से सबको परिचित करा सकते हैं। सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत आक्षेप लगाना उचित नहीं है। इसके पहलुओं पर विचार करते हुए इसकी नकारात्मकता और सकारात्मकता के बीच अपने विवेक को रखने की जरूरत है। मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ खेल पत्रकार प्रो. सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी ने बताया कि आज युवा लेखकों के लिए समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं में रचनात्मक लेखन के लिए स्थान नहीं है। ऐसे में युवाओं के सामने सोशल मीडिया बेहतर विकल्प की तरह आया है। युवाओं को अच्छा लिखने के लिए गूगल की जगह, किताबों को स्रोत बनाना जरूरी है। एमसीयू के नवीन मीडिया तकनीकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पी. शशिकला ने कहा कि इंटरनेट क्रांति के कारण दुनिया में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। वर्ष 2040 में कम्प्यूटर और मोबाइल ही नहीं, बल्कि हमारा घर, कार और दूसरे अन्य गैजेट भी आपस में जुड़े होंगे।

कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मनुष्य के एक दूसरे से जुड़ने और आपस में बात करने की प्रवृत्ति का विस्तार ही सोशल मीडिया है। सोशल मीडिया में जो संवाद है, उसका स्वरूप वैसा ही है, जैसा हमारे आम जीवन और साहित्य में है। यह समाज को तय करना चाहिए कि सोशल मीडिया में किस प्रकार के संवाद को प्रोत्साहित किया जाए और उसकी सीमाएं क्या होनी चाहिए।

कार्यक्रम में श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति, इंदौर की ओर से प्रतिवर्ष प्रकाशित किए जाने वाले कैलेण्डर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर संस्था के कार्य और प्रतिष्ठित पत्रिका वीणा का परिचय संपादक राकेश शर्मा ने दिया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. पवन मालिक ने किया।

आपातकाल प्रसंग

आपातकाल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन

देश में आपातकाल का दौर इतिहास का वो काला अध्याय है जिसे आज भी याद कर उस समय की गई प्रजातंत्र विरोधी गतिविधियों के सच की जानकारी वर्तमान पीढ़ी को मिलती है। संस्कृति विभाग की निराला सृजनपीठ और एमसीयू के संयुक्त तत्वावधान में 27 जून को 'आपातकाल स्मृति' आयोजन में विभिन्न वक्ताओं ने यह विचार व्यक्त किए। जून 1975 में लगाए गए आपातकाल के संबंध में वक्ताओं ने कहा कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के हनन और प्रेस सेंसरशिप के उस दौर की आज भी भर्त्सना की जाती है।

कार्यक्रम के विमर्श सत्र में आपातकाल और साहित्य विषय पर विशेष अतिथि श्री तपन भौमिक, अध्यक्ष पर्यटन विकास निगम श्री अरूण कुमार भगत, कर्नल नारायण पारवानी और वरिष्ठ पत्रकार श्री आरिफ अजीज ने हिस्सा लिया। श्री भगत ने बताया कि आपातकाल पर रचे गए कथा और काव्य साहित्य का संकलन किया गया है।

निराला सृजनपीठ के निदेशक डॉ. देवेन्द्र दीपक ने बताया कि मध्यप्रदेश में भी आपातकाल पर केन्द्रित साहित्यिक पत्रिकाएँ, काव्य संग्रह आदि प्रकाशित हुए हैं। इस विषय पर लिखे गए नाटक 'भूगोल राजा का खगोल राजा का' भी मंचन सांध्यकाल में शहीद भवन में किया गया। यह आपातकाल के हालातों को सामने लाता है।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा ने जानकारी दी कि देश में आपातकाल की अवधि में कुल लगभग 253 पत्रकारों को नजरबंद अथवा गिरफ्तार किया गया था। इनमें मध्यप्रदेश से सर्वाधिक 59 पत्रकार शामिल थे। पत्रकार वर्ग ने आपातकाल की अवधि में पूरे साहस का परिचय दिया और उस कठिन दौर में जनता का मनोबल बनाए रखा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, पत्रकार और पत्रकारिता के विद्यार्थी उपस्थित थे।

'पत्रकारिता में रोजगार के अवसर' विषय पर सेमिनार

एमसीयू के ग्वालियर परिसर और एमएलबी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारिता में रोजगार के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में एमसीयू के ग्वालियर परिसर प्रभारी डॉ नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा विद्यार्थी को करियर की दृष्टि से परम्परागत पाठ्यक्रम के अलावा प्रोफेशनल कोर्सेस पर भी ध्यान देना चाहिए। आज मीडिया रोजगार के एक व्यापक क्षेत्र के रूप में उभर कर सामने आया है। इस क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावना है। डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को बताया कि मीडिया का मतलब सिर्फ पत्रकारिता तक ही सीमित नहीं है, एनिमेशन, ग्राफिक्स, मल्टीमीडिया, फोटोग्राफी आदि क्षेत्रों में भी कॅरियर की अपार संभावनाएँ हैं। साथ ही कॉर्पोरेट सेक्टर के अलावा शासकीय एवं निजी कंपनियों में पब्लिक रिलेशन ऑफिसर के ऑप्शन मौजूद हैं। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है और आने वाले समय में इसकी डिमांड और बढ़ेगी। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थीयों के सवालों के जबाव भी दिए। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो.एच.एस श्रीवास्तव, प्रो. आर.सी गुप्ता, प्रो. ए.के शर्मा, प्रो.ए.के मांडिल, प्रो.ए.के वाजपेयी तथा अन्य शिक्षकगण सहित भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

देश के उत्कृष्ट संस्थानों में शामिल होगा एमसीयू का रीवा परिसर

एमसीयू का रीवा परिसर अल्प समय में ही नये कीर्तिमानों के साथ उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान के रूप में उभरकर सामने आया है। यह बात प्रदेश के उद्योग वाणिज्य एवं खनिज साधन मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में सत्र 2016–17 के समापन अवसर पर छात्रों को दिये गये एक संदेश में कही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. के. कुठियाला, कुलाधिसचिव लाजपत आहूजा, कुलसचिव दीपक शर्मा ने भी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सत्र के समापन समारोह में उपस्थित छात्रों को भेजे गए एक संदेश में उद्योग मंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि रीवा परिसर के लिए 60 करोड़ रूपये आवंटित किये गये हैं। शीघ्र ही पांच एकड़ भूमि में हाईराइज बिल्डिंग के साथ अत्याधुनिक परिसर मूर्तरूप लेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र शरण ने कहा कि कम्प्यूटर व जनसंचार के क्षेत्र में अकूत संभावनाएँ हैं, रीवा में यदि यह सुविधा उपलब्ध है, तो इसका लाभ उठाना चाहिये। समापन समारोह में दूसरे विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद्

वरूणेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी वि.वि. का रीवा परिसर नई शिक्षा संस्कृति गढ़ रहा है, जो इसकी प्रतिष्ठा को राष्ट्रव्यापी बनाएगा। कार्यक्रम का संयोजन प्रलेखन अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल ने किया।

एक आदर्श - पं. माखनलाल चतुर्वेदी का पूरा जीवन

एमसीयू से संबद्ध संस्थान शुजालपुर के गुरुकुल इंस्टीट्यूट (शुभम एकेडमी) में 4 अप्रैल को पं. माखनलाल चतुर्वेदी की जंयती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए संस्था संचालक श्री परमार ने कहा कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी प्रखर पत्रकार, संपादक और कवि हृदय तो थे ही वे एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे।

उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए श्री परमार ने कहा कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी उन महान संपादकों में से हैं जिन्होंने अपनी पत्रकारिता में उसूलों को जिया। उनकी कलम के आदर्श ही नहीं अपितु उनका सम्पूर्ण जीवन आदर्श समाज की कल्पना को साकार करता है। आज की पीढ़ी को उनसे देश प्रेम और पत्रकारिता की नैतिकता क्या होती है, सीखना चाहिए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री बलवान परमार, राजेश शर्मा, हिमाद्री शर्मा, राहुल परमार, परमानंद परमार, लक्ष्मी परमार, सचिन वर्मा, विकास, मोहित, सुनील, राजेश, हर्षित, प्रीति, स्वाति, सरिता, निर्मला आदि छात्र–छात्राओं सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

एक व्यक्ति नहीं संस्था थे दादा

एमसीयू से संबद्ध इटारसी स्थित जे.एम कम्प्यूटर सेंटर में 4 अप्रैल को पं. माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था संचालक मो. जाफर सिद्दीकी ने माखनलाल चतुर्वेदी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कहा कि दादा माखनलाल जी होशंगाबाद जिले के बाबई के रहने वाले थे। दादा को 'साहित्य अकादमी' अवार्ड और 1963 में 'पद्म भूषण' अवार्ड से नवाजा गया।

मो. सिद्दीकी ने उनके सामाजिक, साहित्यिक और राष्ट्र के लिए समर्पित जीवन को याद करते हुए कहा पं. माखनलाल चतुर्वेदी एक व्यक्ति नहीं बल्कि संस्था थे। यह हमारा गौरव है कि हमारी संस्था उन जैसे महान कवि के नाम से स्थापित विश्वविद्यालय का अंग है जो सारे देश में कम्प्यूटर एवं पत्रकारिता के क्षेत्र मे सबसे अव्वल है। इस अवसर पर श्रीमती मनीता सिद्दीकी, दीपक दुबे, मोना आहुजा, आनंद मेहरा, नीरज चौरे, पार्थ चौरे, तोशीफ कुरेशी, रिंकू सोनी सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे।

इंक मीडिया इंस्टीट्यूट में हुई परिचर्चा

स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारों ने दी कुर्बानियाँ

पत्रकारों ने स्वतंत्रता संग्राम में बड़ी कुर्बानियां और शहादतें दी हैं। उनमें कई पत्रकार शामिल हैं जिनका हमें नाम तक मालूम नहीं। यह बात वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सुरेश आचार्य ने 25 मार्च को इंक मीडिया इंस्टीट्यूट, सिविल लाइन में आयोजित गणेश शंकर विद्यार्थी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में बलिदान दिवस की परिचर्चा में कही।

उन्होंने कहा कि इतिहासकारों की तरह पत्रकारों को ऐसी भूल नहीं करनी चाहिए। पत्रकार जो कुछ भी देखें, बिना हस्तक्षेप किए उस सच को समाज के सामने रखें। श्यामलम् के उमाकांत मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी जी जैसे उदाहरण आज की पत्रकारिता में देखने को नही मिलते। उन्होंने कहा कि पूर्व की पत्रकारिता अकल्पनीय थी। डॉ. सरोज गुप्ता ने विद्यार्थी जी के अखबार 'प्रताप' के बारे में बताते हुए कहा कि प्रताप ने अपने प्रभाव से अंग्रेजो की नींव हिलाकर रख दी थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जी जो सोचते थे वे उसे अंजाम तक पहुंचा कर ही मानते थे।

वे एक निष्पक्ष और निर्भीक संपादक–पत्रकार थे। उन्होंने श्रोताओं के साथ विद्यार्थी जी के जीवन से जुड़े अनेक पहलुओं को साझा किया। परिचर्चा के दूसरे चरण में इंक मीडिया इंस्टीट्यूट द्वारा अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी जी को समर्पित अखबार 'इंक पॉवर' का विमोचन किया गया। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ आशीष द्विवेदी, डॉ. प्रदीप शुक्ला, डॉ सत्या सोनी सहित संस्थान के अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा आयुषी सिंह चौहान ने किया और आभार प्रदर्शन छात्रा हीरा मेहरा ने किया।

युवा संसद

संसद में गूंजा नोटबंदी का मुद्दा

संसदीय लोकतंत्र का मतलब अकेले बोलने का अधिकार नहीं होता बल्कि सुनने का धैर्य भी होना चाहिए। वर्तमान संसद में सिर्फ आरोप प्रत्यारोप लगाए जाते हैं न कि किसी समस्या का समाधान किया जाता है। यह बात समाजवादी चिंतक और विचारक रघु ठाकुर ने इंक मीडिया इंस्टीट्यूट द्वारा पं. कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ के सहयोग से आयोजित 'युवा संसद का मंचन' कार्यशाला के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में संसद की कार्यप्रणाली से उसके लिए ही सबसे बड़ा संकट है कि वह अपनी साख खोता जा रहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि यदि प्रबंधन जीतता है तो ये लोकतंत्र की सबसे बड़ी हार है। उन्होंने किसानों की समस्याओं और देश में बढ़ रही बेरोजगारी पर भी चिंता व्यक्त की। डॉ. बद्रीप्रसाद ने कहा कि किसानों का कर्ज माफ कर उन्हें अपने काम के प्रति मोह भंग कर रहे हैं, ऋण माफ की प्रवृत्ति बहुत घातक है।

उन्होंने कहा कि संख्या का बल हमेशा नीति नहीं बनाता बल्कि नीति ऐसी होनी चाहिए जो देश का विकास करे। डॉ. ललित मोहन ने विद्यार्थियों को संसदीय कार्य पद्धति के बारे में विस्तार से समझाया। इससे पहले युवा संसद का मंचन किया गया जिसमें नोटबंदी, चुनावों और ईवीएम मशीनों को लेकर विपक्ष ने सत्ता पक्ष को घेरा और दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई। युवा संसद के मंचन में सत्ता पक्ष से प्रधानमंत्री चन्द्रभान सिंह लोधी, निखिल गुप्ता, आयुषी सिंह चौहान, कीर्ति जैन, रूचि जैन, प्रशंसा जैन, दीपक अहिरवार, मोहिनी लारिया थे।

विपक्ष से नेता प्रतिपक्ष अर्पित पाण्डेय, भूपेन्द्र राय, असलम खान, पूजा पाण्डेय, रूवि जैन, सोनिका विश्वकर्मा, नम्रता जैन, सुरभि जैन, मनीषा धारीवाल, वैशाली शर्मा रही। लोकसभा स्पीकर हीरा मेहरा तथा सचिव मनीषा राजपूत थीं। कार्यशाला का संचालन डॉ. अशोक पन्या ने और आभार अंबिका यादव ने व्यक्त किया।

बिहार दिवस समारोह

बिहार ने दिया दुनिया को शान्ति, सद्भाव, भाईचारे का संदेश

बिहार भारत के सांस्कृतिक इतिहास का मेरूदंड है। हमें बिहार की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा का स्मरण कर उसे बचाये रखने का हरसंभव प्रयास करना होगा। एमसीयू से सम्बंद्ध पटना के सुरेन्द्र प्रताप सिंह पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान में 28 मार्च को 'बिहार दिवस समारोह–2017' का आयोजन किया गया। समारोह के उद्घाटन अवसर पर दूरदर्शन, पटना के निदेशक श्री पी.एन सिंह ने कहा कि पत्रकारिता ऐसा क्षेत्र है जिसके द्वारा हम देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच कर उसके उत्थान में सहयोगी हो सकते हैं। इस अवसर पर समारोह में शामिल बिहार के सूचना आयुक्त, श्री अरूण कुमार वर्मा ने कहा कि इस संस्थान के छात्र–छात्राओं ने गत 25 वर्षो में अपने उल्लेखनीय योगदान से बिहार का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान के छात्र पत्रकारिता के क्षेत्र में महती भूमिका निभाएंगे ऐसी अपेक्षा है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. जाकिर हुसैन संस्थान के महानिदेशक, प्रो. उत्तम कुमार सिंह ने संस्थान के छात्र–छात्राओं को बिहार दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि आज पत्रकारों के कंधों पर जो बड़ी चुनौती है, वह है–सत्य को खोजना और उसे स्थापित करना। प्रो. सिंह ने कहा कि आजादी की लड़ाई में भी बिहार प्रदेश किसी से पीछे नहीं रह। बिहार ने आजादी की लड़ाई में उल्लेखनीय योगदान दिया था। सुरेन्द्र प्रताप सिंह पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान, पटना के निदेशक, डॉ. समीर कुमार सिंह ने कहा कि बिहार ने न केवल इस देश को बल्कि दुनिया को शान्ति, सद्भाव, भाईचारे का संदेश देने का काम किया है। नालंदा, विक्रमशिला, बोधगया तथा ओदंतपुरी जैसे महान् विश्वविद्यालय अपने समय में शिक्षा और संस्कृति की पराकाष्ठा पर थे।

इस अवसर पर संस्थान के छात्र–छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान प्रमुख मीडियाकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी आशीष कुमार और रूचि राज ने किया।

जनसंपर्क मंत्री की चिंता, हंगामा करने वाले मीडिया में पाते हैं स्थान

"युवा पत्रकारों से आज समाज को काफी आशा है। टीवी पत्रकारिता ने भी पत्रकारों की कार्य-शैली को बदला है, इसलिए कई बार तथ्य और वास्तविकता की उपेक्षा भी हो जाती है। पत्रकारिता कोई खेल नहीं बल्कि एक गंभीर विधा है इसकी गरिमा हमेशा कायम रहना चाहिए। यह बात जनसंपर्क, जल-संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने एमसीयू के प्रतिभा पुरस्कार समारोह में कही।"

सत्रह मई को आयोजित एमसीयू के प्रतिभा पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसंपर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने पत्रकारिता एवं संचार के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा में अनेक सदस्य बहुत अध्ययन के बाद गंभीरता से अपनी बात रखते हैं, लेकिन मीडिया का ध्यान उन पर नहीं जाता वहीं जो सदस्य हंगामा करते हैं, मीडिया में उन्हें भरपूर स्थान मिलता है। मीडिया का इस प्रकार का स्वरूप लोकतंत्र को कमजोर बनाता है।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार राजीव वर्मा ने कहा कि पत्रकारिता में एक सकारात्मक बदलाव आता दिखाई दे रहा है और इसका श्रेय माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय को जाता है। यहाँ से शिक्षित युवा पत्रकारों की रिपोर्टिंग में गंभीरता दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि रंगमंच की पर्याप्त रिपोर्टिंग आज मीडिया में हो रही है। लेकिन, रंगमंच की सिर्फ रिपोर्टिंग ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी अच्छी आलोचना भी करना चाहिए ताकि रंगमंच और बेहतर हो सके। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश से आए विवेकानंद केंद्र के सामाजिक कार्यकर्ता संजय करकरे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की। उन्होंने प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी बहुमुखी और कलात्मक प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष श्री संजय द्विवेदी ने किया।

- **जनसंपर्क, जल–संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने की घोषणा – जनसंपर्क विभाग देगा श्रेष्ठ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष डेढ़ लाख रुपये के पुरस्कार।**
- **प्रत्येक श्रेष्ठ विद्यार्थी को 25-25 हजार रुपये के पुरस्कार।**
- **जनसंपर्क मंत्री ने कहा, हंगामा करने वालों को मीडिया देता है भरपूर स्थान। मीडिया का इस प्रकार का स्वरूप लोकतंत्र को बनाता है कमजोर।**
- **प्रख्यात कलाकार राजीव वर्मा ने कहा रंगमंच की सिर्फ रिपोर्टिंग ही पर्याप्त नहीं, बल्कि आलोचना करना भी जरूरी।**

जनसंपर्क विभाग करेगा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित

जनसंपर्क मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा ने प्रतिभा पुरस्कार समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष डेढ़ लाख रुपये के पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष से जनसंपर्क विभाग की ओर से विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ विद्यार्थियों को 25–25 हजार के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम प्रतिभा विश्वविद्यालय का वार्षिकोत्सव है, जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। प्रतिभा–2017 के अंतर्गत आयोजित हुईं विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को इस समारोह में अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। इसके साथ ही इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

व्यक्तित्व विकास में प्रतिस्पर्धा की महत्वपूर्ण भूमिका

एमसीयू के विभिन्न परिसरों में हुए प्रतिभा-2017 का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

" उन विद्यार्थियों के जीवन में सफलता की दर ज्यादा होती है जो पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेते है क्योंकि सफलता सिर्फ दिमाग से तय नहीं होती, उसमें शरीर के अन्य अंग भी कार्य करते हैं। "

सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी से हमारा विकास होता है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमारे व्यक्तित्व विकास में प्रमुख भूमिका निभाती है फिर चाहे वह खेलकूद हो या अन्य कोई सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा, यह बात वरिष्ठ पत्रकार श्री विजय क्रांति ने 14 मई को आयोजित एमसीयू के विभिन्न परिसरों के विद्यार्थियों के वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक आयोजन प्रतिभा–2017 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कही। वरिष्ठ पत्रकार श्री विजय क्रांति ने कहा कि पूर्व की तुलना में पत्रकारिता एवं संचार के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी ज्यादा हैं। लेकिन ज्यादातर विद्यार्थियों का सिर्फ टेलीविजन की तरफ रूझान होने से इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। टेलीविजन सीखने की जगह नहीं है, यह परफॉर्म करने की जगह है। प्रिंट मीडिया में प्रशिक्षित पत्रकार टेलीविजन में ज्यादा तेजी से सफलता प्राप्त करता है।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे एमसीयू के कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे नारद की तरह सफल और विश्वसनीय संचारक बनें। देवर्षि नारद की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वे पूरे विश्व की सूचनाएं रखते थे। उनकी सूचनाओं पर कभी भी प्रश्नचिन्ह नहीं लगा, क्योंकि उनकी विश्वनीयता ऐसी बन चुकी थी। वे हमेशा समाज हित में सुझाव देते थे। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरू बन चुका है। संवाद के माध्यम उन्नत हो रहे हैं और मीडिया विश्व मानवता का निर्माण कर रहा है। संचार की विविध व्यवस्थाओं को चलाने के लिए करोड़ों लोगों की आवश्यकता है, युवाओं के लिए नए अवसर सामने आने वाले हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे ऐसा व्यक्तित्व बनाये जो समाज में स्वीकृत हो और सम्मानित हो।

इस अवसर पर कुलाधिसचिव श्री लाजपत आहूजा, कुलसचिव श्री दीपक शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में नोएडा परिसर से 65, खंडवा से 22, ग्वालियर से 18 और रीवा परिसर से 9 विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अध्यापक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी ने किया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजक डा. आरती सारंग ने किया।

सम्मान

कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला को डी. लिट् की मानद उपाधि

नेशनल एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड और चाणक्य सम्मान प्राप्त कुलपति प्रो. कुठियाला ने दीक्षांत समारोह में कहा कि डी.लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित होने से उनका दायित्व और बढ़ गया है। वे आजीवन शिक्षा के जरिए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कार्य करते रहेंगे।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के 16वें दीक्षांत समारोह में एमसीयू के कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला को डी.लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। 24 अप्रैल को आयोजित समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने प्रो. कुठियाला को इस उपाधि से सम्मानित किया।

प्रो. बृज किशोर कुठियाला को डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित करते हुए हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी

उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. कुठियाला की पहचान संचार के क्षेत्र में शोध को प्रोत्साहित करने और शोध में नवाचार के लिए है। उन्हें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कम्युनिकेशन, मीडिया, एडवर्टाईजिंग, मार्केटिंग कम्युनिकेशन, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी से जुड़े हुए अनेक शैक्षणिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने और स्थापित करने के लिए भी पहचाना जाता है। प्रो. कुठियाला विगत चार दशकों से भी अधिक समय से संचार, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा तथा गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार में संचार, जनसंचार, मीडिया टेक्नोलॉजी तथा प्रिंटिंग टेक्नॉलॉजी के विभिन्न पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए। एमसीयू में विगत चार वर्षों में उन्होंने मीडिया मैनेजमेंट, एंटरटेंनमेंट कम्युनिकेशन, मार्केटिंग कम्युनिकेशन तथा कारपोरेट कम्युनिकेशन में एमबीए पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए हैं। उन्होंने कम्युनिकेशन रिसर्च तथा न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग की स्थापना करते हुए मीडिया रिसर्च, मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स तथा एनीमेशन जैसे नवीन पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय में प्रारम्भ किया।

इसके पूर्व में शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो. कुठियाला को अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। स्टार आफ द इंडस्ट्रीज समूह ने उन्हें नेशनल एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया है वहीं, पब्लिक रिलेशन्स काउंसिल आफ इंडिया भी प्रो. कुठियाला को पीआरसीआई चाणक्य सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। अभी हाल ही में प्रो. कुठियाला की अध्यक्षता में गठित विश्वविद्यालय समीक्षा समिति ने उच्च शिक्षा परिषद और उच्च शिक्षा आयोग का गठन किए जाने की सिफारिश की है। इस समिति का गठन हरियाणा सरकार ने उच्च शिक्षा में सुधार के लिए किया था।

विशेष व्याख्यान

जीवन स्तर को उन्नत करती है उच्च शिक्षा : प्रो. कुठियाला

उच्च शिक्षा हमको अपने दायित्व और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती है, साथ ही दायित्व और अधिकारों में संतुलन रखना सिखाती है, यह विचार एमसीयू के कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने व्यक्त किए। अवसर था 26 अप्रैल को विश्वविद्यालय परिसर में 'भारत के नवोत्थान में उच्च शिक्षा की भूमिका' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान का। उच्च शिक्षा की भूमिका को स्पष्ट करते हुए प्रो. कुठियाला ने बताया कि शिक्षा सिर्फ रोजगार के लिए नहीं बल्कि यह हमें एक जागरूक नागरिक बनाने के लिए है। देश जब आजाद हुआ, तब नागरिकों को साक्षर करने पर जोर था लेकिन, आज स्थिति बदल गई है। आज स्थिति यह है कि हम भले ही सबको साक्षर नहीं कर पाए परंतु शिक्षित सबको कर लिया है। आज लगभग सब लोग अपने देश और समाज के प्रति जागरूक हो गए हैं। इस अवसर पर कुलाधिसचिव लाजपत आहूजा और कुलसचिव दीपक शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अध्यक्ष संजय द्विवेदी ने किया।

समीक्षा

ज्योतिर्विज्ञान में नए विचार और अनुप्रयोग

एमसीयू द्वारा ज्योतिर्विज्ञान में नए विचार और अनुप्रयोग पर केन्द्रित पुस्तक का प्रकाशन किया गया है।

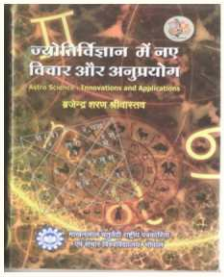

इस पुस्तक के लेखक ब्रजेन्द्र शरण श्रीवास्तव हैं। इस पुस्तक में मानव, मन मस्तिष्क एवं जिज्ञासाओं के समाधान की संस्तुति है। पाश्चात्य संस्कृति, काल गणना, ज्योतिर्विज्ञान, सामाजिक परिवेश, अंक विधा, टैरो कार्ड और ब्रह्माण्डीय रसायन शास्त्र का विस्तार से वर्णन है। भविष्यवाणियाँ, कुण्डलिनी शक्ति और जेनेटिक्स, पितृदोष की व्याख्या इसमें मिलती है। ज्योतिर्विज्ञान में हो रहे नित नये शोध, अनुसंधान तथा साहित्य, संस्कृति, अध्यात्म का सम्मिश्रण पुस्तक में परिलक्षित है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर केन्द्रित 'अतुल्य भारतम्'

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित संस्कृत मासिक पत्रिका 'अतुल्य भारतम्' का मई– 2017 अंक राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती पर केन्द्रित है। प्रस्तुत अंक में कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की एकता एवं अखण्डता को प्रतिपादित किया गया है। आतंकवाद के घरेलू एवं बाह्य हमलों से उत्पन्न स्थिति को रेखांकित करते हुए विभिन्न राज्यों की रिपोर्ट इस अंक में प्रकाशित की गई है। खेल, संस्कृति, विज्ञान परम्परा एवं फिल्म समीक्षा के साथ आध्यात्मिक दर्शन भी इस अंक में होते हैं।

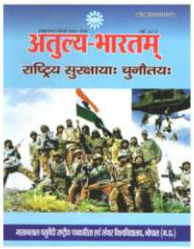

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के लिए संबद्ध अध्ययन संस्थाएँ विभाग द्वारा संपादित एवं प्रकाशित
आकल्पन : नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग
संरक्षक : प्रो. बृजकिशोर कुठियाला • संपादक : दीपक शर्मा, डॉ. राखी तिवारी

संपर्क : बी-38 विकास भवन, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर,भोपाल (म.प्र.) फोन : 0755-2574531, ई-मेल mcunews11@gmail.com